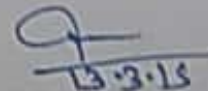



अंचल अधिकारी का कार्यालय, धनबाद ।

संदिग्ध/अवैध जमाबंदी रद्द अभिलेख सं० ११ / २०१४-१९
 बिहार (झारखंड) भूमि सुधार अधि० १९५० की धारा ४(h) के तहत जांच एवं कार्रवाई से

संबंधित ।

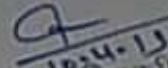
दिनांक	आदेश फलक	अभियुक्ति
13/3/19	<p align="center">आदेश फलक झारखंड सरकार के आदेश-2074/रा० दिनांक-13.05.2016</p> <p>सहपटित-श्री अनुज मुखर्जी निर्देशक, भू-अर्जन-सह-विशेष सचिव राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का पत्र संख्या-3-खा० म० निति-119/85/2308/रा० दिनांक 03.09.1985 एवं सह-पटित राजस्व विभागीय, परिपत्र संख्या-914/रा० दिनांक 09.12.1998 में निहित निर्देश के अनुपालन में गैरमजरूआ खास भूमि की कायम की गयी जमाबंदियों की जांच प्रारंभ की गयी। जांच के क्रम में हल्का राजस्व उपनिरीक्षक (राजस्व कर्मचारी) के द्वारा प्रतिवेदित किया गया विवरणी निम्नवत है-</p> <p>मौजा- <u>खैरपुरा</u> मौजा न०- <u>०६</u> खाता न० <u>१९६</u></p> <p>प्लॉट न० <u>५३१५, ५३१९, ५३२९</u> के <u>५२९१०</u> की भूमि जो गैरमजरूआ खास, अनाबाद बिहार(झारखंड) सरकार के खाते की सरकारी भूमि है जिसकी जमाबंदी उस मौजा के पंजी- 11 के जिल्द संख्या ११ के पृष्ठ संख्या 319 पर जमाबंदी रैयत <u>बिनायक सिंह</u> के नाम से कायम है।</p> <p>हल्का राजस्व उपनिरीक्षक(राजस्व कर्मचारी) के द्वारा जांचोपरांत उपर्युक्त विवरणी की भूमि के विरुद्ध कायम जमाबंदी को संदिग्ध प्रतिवेदित किया गया है। जांच प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उपर्युक्त जमाबंदी किना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/अवैध बंदोबस्ती के आधार पर/अवैध कोडकर बंदोबस्ती के आधार पर/ अवैध लगान निर्धारण के आधार पर/सादा हुकुमनामा के आधार पर कायम की गयी है जिसका उद्देश्य निजि लाभ एवं राज्य को क्षति कारित करना है।</p> <p>प्रथम दृष्टया उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमाबंदी अवैध प्रतीत होती है, जिसका बिहार (झारखंड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जांच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है।</p> <p>अतः- उपरोक्त जांच प्रतिवेदन पर अंचल-निरीक्षक का मतव्य प्राप्त करे। अभिलेख दिनांक <u>२३/३/१९</u> को रखे।</p>	<p align="right">  अंचल अधिकारी, धनबाद । </p>

स्थापित अचल निरीक्षक से मतव्य / प्रतिवेदन अर्थात् है।
अभिलेख दिनांक 10/4/19 को रखे।


5-3-18
अचल अधिकारी
धनबाद।

अभिलेख उपास्थपित। अधोहस्ताक्षरी निर्वाचन कार्य में व्यस्त रहने के कारण अभिलेख की सुनवाई नहीं हो सका।

अभिलेख दिनांक 24/4/19 को रखे।


10-4-19
अचल अधिकारी
धनबाद।

0/6/20

अभिलेख उपस्थापित। अचल निरीक्षक का प्रतिवेदन मतव्य सहित प्राप्त। प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में विपक्षी को नोटिस निर्गत करे। अभिलेख दिनांक

20/6/20 को रखे।

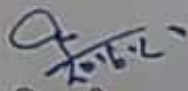

अचल अधिकारी
धनबाद।

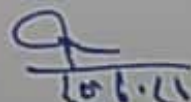
0/6/20

अभिलेख उपस्थापित। अभिलेख के अवलोकनोपरान्त पाया कि गोंजा ~~खेप~~ मौजा नं० 06 खाता 196 प्लॉट नं० 4314, 1319, 4329 रकबा 5.79 3/40 भूमि से संवधित है। आवेदित भूमि गत सर्वे खतियान के अनुसार गैरआवाद खाते की भूमि है। जमाबदी रयत के खोज वीन के उपरान्त पता नहीं चल सका, जिसके कारण बिना नोटिस कातामिला प्रतिवेदन प्राप्त है (सुलभ प्रसंग हेतु नोटिस की प्रति सलग्न)। आवेदित भूमि ~~खखिल खखिल~~ कस नं० 8 (11) 85-86 के अनुसार कायम है। तत्कालीन अचल अधिकारी, धनबाद द्वारा उक्त पजी को सदेहास्पद माना गया है। जिसे संवधित उप निरीक्षक एवं अचल निरीक्षक ने उक्त जमाबदी को रद्द हेतु प्रस्ताव प्रतिवेदन अनुशसा सहित समर्पित किया

अतः जाँच प्रतिवेदन के आलोक में जमाबदी रद्द हेतु अभिलेख भूमि सुधार उपसमाहर्ता धनबाद को भेजे।

लेखापित एवं संशोधत।


अचल अधिकारी,
धनबाद।


10.6.20
अचल अधिकारी,
धनबाद।